

प्रेमक,

विजय कुमार ढौडियाल,
अवर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तराखण्ड।

संस्कृति अनुभाग

देहरादून दिनांक : 29 अक्टूबर 2007

विषय :- श्रीच संस्था द्वारा गत वर्ष आयोजित विरासत हैरिटेज आयोजन की अवशेष धनराशि अवगुक्त किये जाने विषयक।

महोदय,

उपयुक्त विषयक के संदर्भ में गुझे यह कहने का निदेश हुआ है उत्तरांचल में गैर सरकारी संस्था REACH देहरादून को गत वर्ष विरासत हैरिटेज के आयोजन की अवशेष धनराशि रुपये 20.00 लाख (रुपये बीस लाख मात्र) आपके निर्वहन पर रखते हुए व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

- उक्त धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिए बजट मैन्युअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व राक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय करने के पूर्व राक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में गितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय गितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किए गये शासनादेशों में निहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- उक्त धनराशि उन्हीं मदों पर व्यय की जाय, जिन मदों हेतु स्वीकृत की जा रही है। अन्य किसी मद में व्यय नहीं किया जायेगा।
- इस संस्था द्वारा किये जाने वाले कार्यों/प्रोजेक्ट की हार्ड व सॉफ्ट प्रतियाँ जैसा लागू है, वे प्रायः प्रतियों में संस्कृति विभाग को अभिलेखों के रूप में उपलब्ध कराये।
- उक्त धनराशि का उपयोग कर मदवार व्यय विवरण तथा उपयोगिता प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर शासन को अवश्य उपलब्ध करा दिया जाये।
- संस्था को उक्त धनराशि इस शर्त के साथ स्वीकृत की जा रही है कि संस्था इसी कार्यक्रम के लिए उत्तराखण्ड शासन के किसी अन्य विभाग से अनुदान प्राप्त नहीं करेगी।

11

7. अधिग के रूप में स्वीकृत धनराशि का समायोजन संस्कृति विभाग एवं रीच संस्था के मध्य सम्पादित एगोओयू0 की व्यवस्था के अनुरूप किया जायेगा।
8. विरासत पर्व के आयोजन हेतु वर्ष 2006-07 में किये गये व्यय का लेखा परीक्षण रीच संस्था एवं शारान के मध्य सम्पादित एगोओयू0 के प्रस्तर 1.11 में वर्णित व्यवस्थानुसार चयनित/नामित चार्टर्ड एकाउन्टेंट से कराया जायेगा।
8. उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-00-102-कला एवं संस्कृति का संवर्द्धन-आयोजनागत-14 विरासत लोक पर्व के आयोजन हेतु सहायता-00-20-सहायक अंशदान/अनुदान/राजसहायता मानक मद के आयोजनागत पक्ष से वहन किया जायेगा।
9. उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ0शा0 पत्र संख्या-458(पी)/XXVII (3)/2007 दिनांक-29 अक्टूबर, 2007 में प्राप्त उनकी सहगति से जारी किये जा रहे हैं।

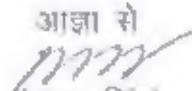
भवदीय,

(विजय कुमार ढोडियाल)
अपर सचिव

पृष्ठांकन संख्या- 443.(1)/VI-1/2007, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शारान।
3. निजी सचिव, मा0मंत्री जी उत्तराखण्ड शारान।
4. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शारान।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
6. वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शारान।
7. वजेट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, देहरादून।
8. मण्डलायुक्त, मढ़वाल/कुमायू उत्तराखण्ड।
9. जिलाधिकारी, देहरादून।
10. महारासिव रीच, 175/II बसंत बिहार, देहरादून।
- ✓ 11. एन.आई.सी. उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
12. गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(श्याम सिंह)
अनुसचिव